गाधाजाकाभारतकार **(Ideas of India by Mahatma Gandhi)**

1. आत्मा **(स्वदशाकासद)**

गाधाजाकअनुसारभारतकाआत्माग्रामाणजावनम **"ग्राम-स्वरा "**करूपमट , जहाप्रत्यकगावआत्मान
उन्हा "स्वदशाउ "
कमा सभारतायासआह्वानाकयाकवावदश **स्थानायउत** काउपयो गकर।चरखाइसका

"स्वराज्यकाअथकवलअग्रजा , बाल्कआत्मशासनआर "

---

2. आहसाआरसत्यका (Non-violence and Truth)

गाधाजाकाभार **आहसाआरस** परआधारतथा।वमानतथाव ल्याआरआध्यात्मकताकआधार , नाकशाक्तआर

"आहसाहासच्चभारतकाआत्म "

---

3. धामकसाहष्णुताआ

गाधाजाका **धामकावा** था, जहाहदू, मुस , ार , ईसाई, जैन, बौद्धसभाकासमानसम्मानआरस
उन्हा **"सवधम "**कासमथनाकयाआर , नाकबाट

"महरधमकासम्मा , क्याकसत्यहर "

---

4. ग्रामस्व (Village Swaraj)

गांधीजीकाभारतकासपनाएक**ग्राम-आधारत** काथा, जहासत्ताव कद्राकरणनहाकर प्रत्यकगावकाउसकाआवश्यव **राजन , सामाजकआरआ** ामल

"भारतकाभावष्यगावा "

---

5. ाशक्षाकाभा – 'नातका '

गांधीजीने**बुानयादाश (Basic Education or Nai Talim)**काावचा , जोजीवनसेजुड़ीहुई,
का -आधारतआरनातक

उनकामाननाथााकाशक्षाकाउद्दश , बाल्कचारत्रानमाणभाह

---

6. समाजमस (Equality and Social Justice)

गाधाजाछुआछूतआरजाातवादकघाराव **"ह "**
(इश्वरक)कहाआरउ समाजकामुख्यधारामलानक

"जबतकएकभाव्याक , तबतकमरास्वराजअ "

---

7. राजनाातकस्वतत्रतासआधक

गाधाजाकादृाष्टमस्वतत्रभारतकवलराजनाातकस्वतत्र **नै**
ातकदृाष्टसस्व हो, जोसत , सवाआरकतव्यव

---

8. मानवताआरकरुणा

गाधाजानएसभारतकाकल्पनाव **करुण ,**
दयाऔरपरोपकारकासद्धाताकापालनहा।उ **नातकआरआात्मकशाक्तर** हो।

---

9. माहलाआकासमा

गाधाजानमाहलाआकासमानअ ारस्वतत्रतासग्राममउनका
श्यकबता

"माहलाआरपुरुषदानासमाजक "

ानष :

महात्मागाधाकाभ **राजनाातकराष्ट्** ,
बाल **सस्कृातकआरनात** कापार , ाजसमहरव्याव , आत ,

सत्यानिष्ठ और अहिंसक हो। उनके र तथा, जहाँ **गांवों में खुशहा** , **धर्मों मे स** ,
शिक्षा में नैत , और **व्यवस्था में म** हो।